Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-2
संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान

भाग - 5

प्रायद्वीपीय पठार- II

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. भू-वैज्ञानिक खण्ड
2. भूआकृति खण्ड-हिमालय
3. उत्तरी भारत का मैदान
4. प्रायद्वीपीय पठार – I
5. प्रायद्वीपीय पठार –II
6. भारतीय मरूस्थल
7. तटीय मैदान व द्वीप समूह

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मुख्य उच्चावच लक्षणों के आधार पर विभाजन

- दक्कन का पठार
- मध्य-उच्च भू-भाग
- उत्तरी-पूर्वी पठार

Under CSR Support by ipca | Foundation



दक्कन का पठार

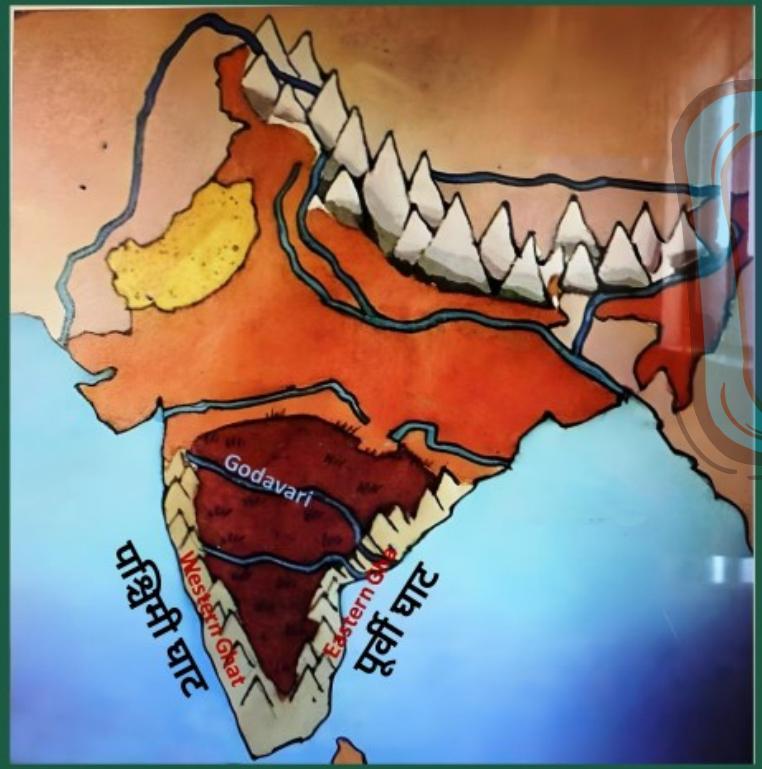

सीमाएँ

पश्चिम में
पश्चिमी घाट

पूर्व में पूर्वी घाट

उत्तर में सतपुड़ा,
मैकाल और
महादेव पहाड़ियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पश्चिमी घाट



स्थानीय नाम		
सह्याद्रि	नीलगिरी	केरल
महाराष्ट्र में	कर्नाटक व तमिलनाडु में	अनामलाई व इलायची पहाड़ियाँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

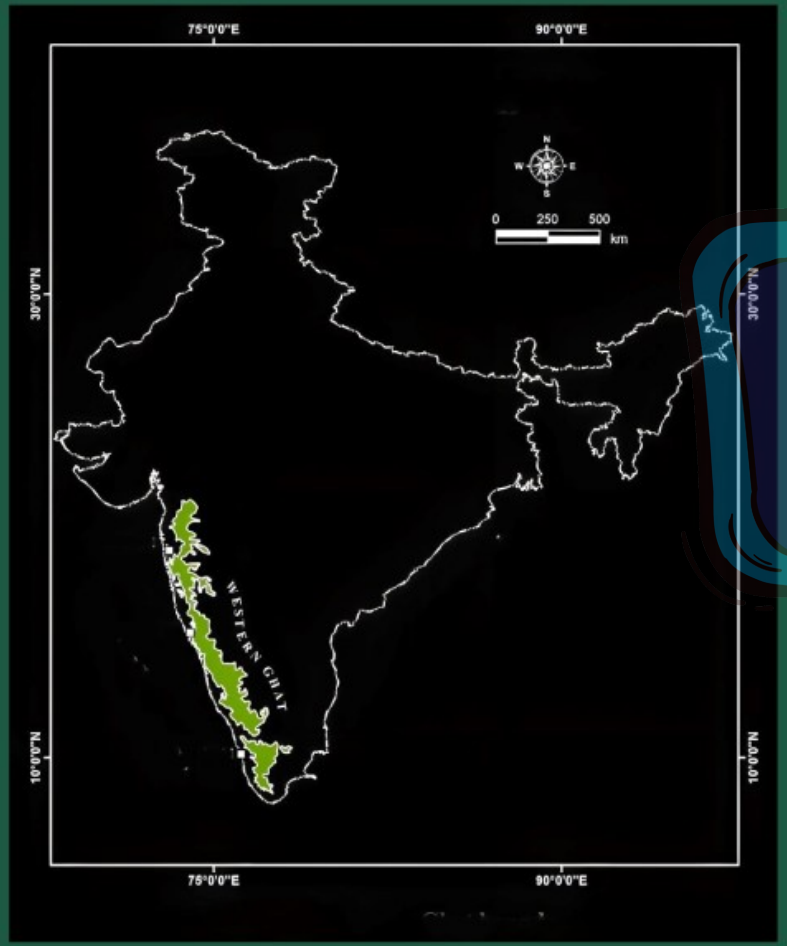

विस्तार → उत्तर से दक्षिण की ओर

ऊँचाई → 1500 मीटर (औसत) उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अनाईमुडी

प्रायद्वीपीय पठार की सर्वोच्च चोटी

ऊँचाई
↓
2695 मीटर

अवस्थिति
↓
अनामलाई पहाड़ियों में

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



डोडाबेट

- नीलगिरी पहाड़ियों में अवस्थित
- दूसरी सर्वोच्च चोटी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

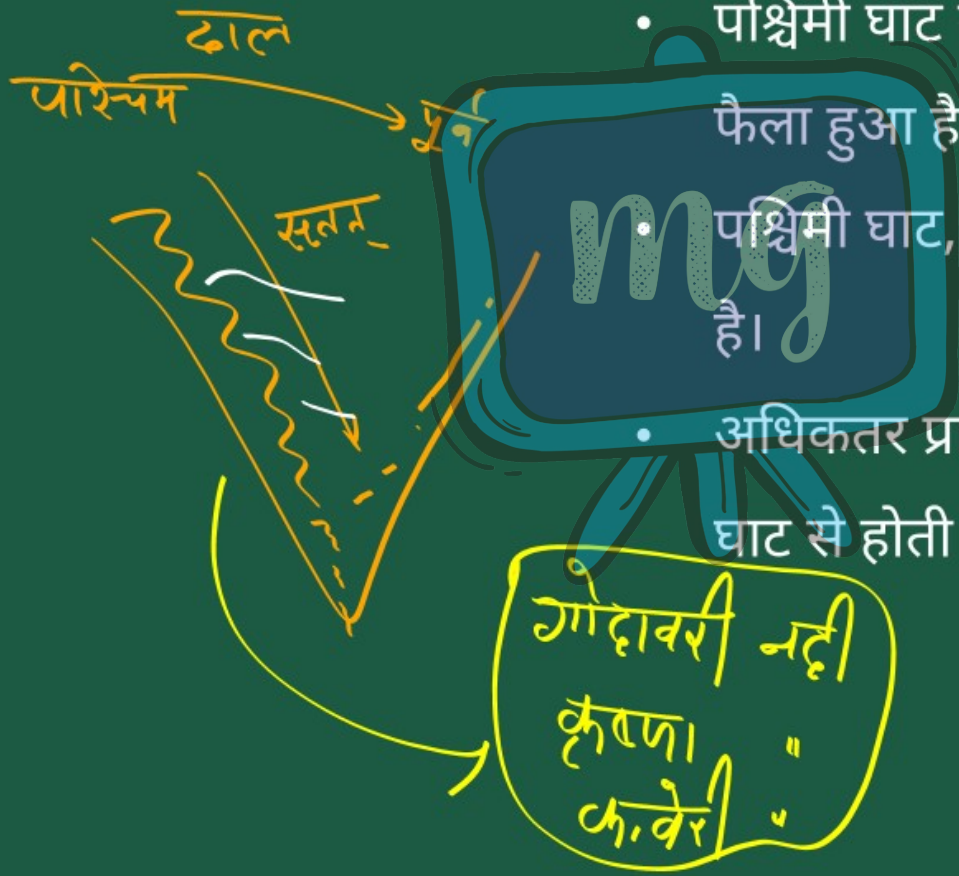

- पश्चिमी घाट उत्तर से दक्षिण की ओर सतत् रूप में फैला हुआ है।
- पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट की तुलना में अधिक ऊँचा है।
- अधिकतर प्रायद्वीपीय नदियों की उत्पत्ति पश्चिमी घाट से होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पूर्वी घाट

मुख्य श्रेणियाँ

1. जावादी पहाड़ियाँ
2. पालकोण्डा श्रेणी
3. नल्लामाला पहाड़ियाँ
4. महेन्द्रगिरी पहाड़ियाँ

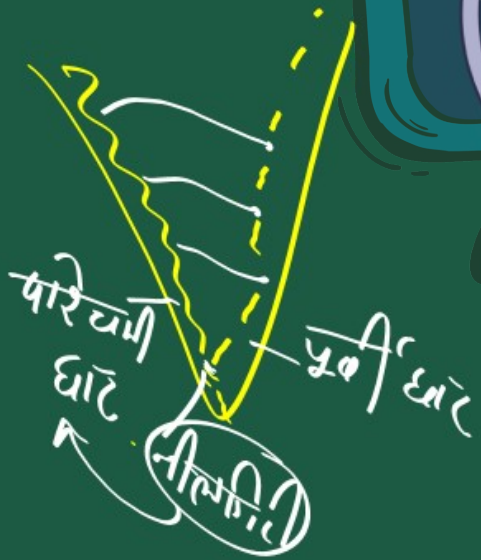

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



☛ विशेषताएँ

- ✧ पूर्वी घाट सतत् नहीं है।
- ✧ नदियों द्वारा अपरदित है।

नोट

पूर्वी और पश्चिमी घाट नीलगिरी पहाड़ियों में आपस में मिलते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्य उच्च भू-भाग

अरावली पर्वत

- मध्य उच्च भू-भाग की पश्चिमी सीमा
- अवशिष्ट पर्वत
- अपरदित श्रृंखला



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- सतपुड़ा पर्वत
  - उच्छिष्ट पठार की श्रेणियों से निर्मित
  - ऊँचाई → 600-900 मीटर
  - अवशिष्ट पर्वत
  - टूटी हुई शृंखला

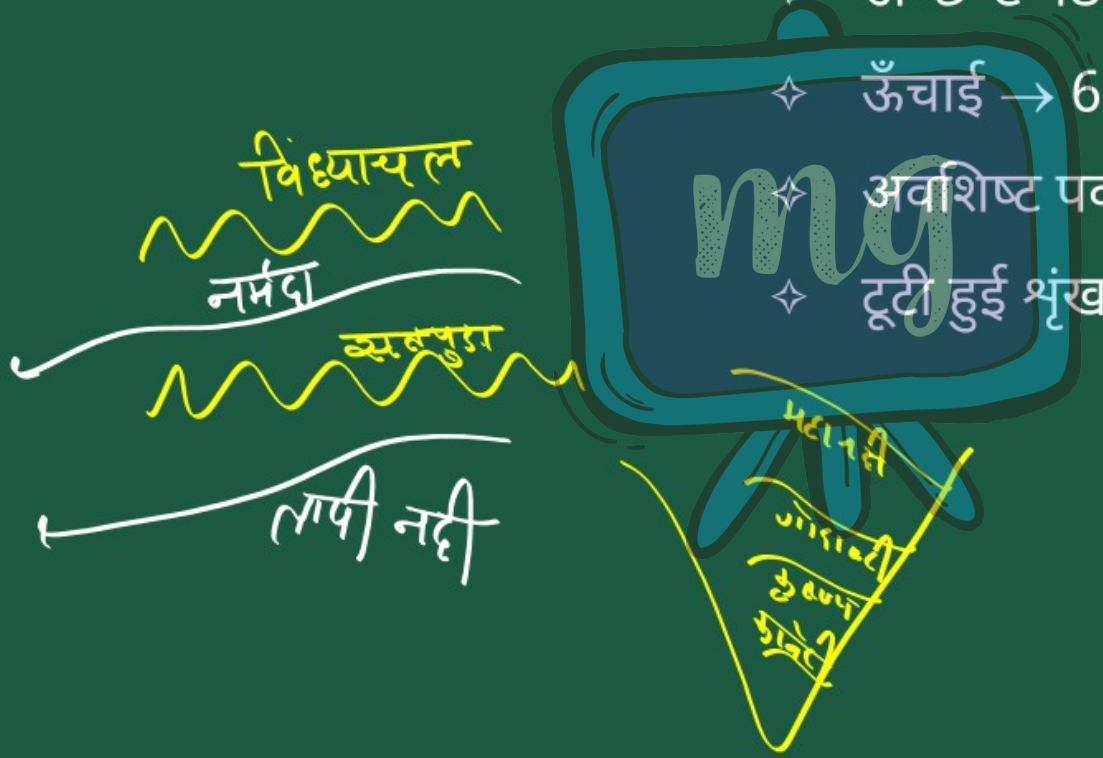



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

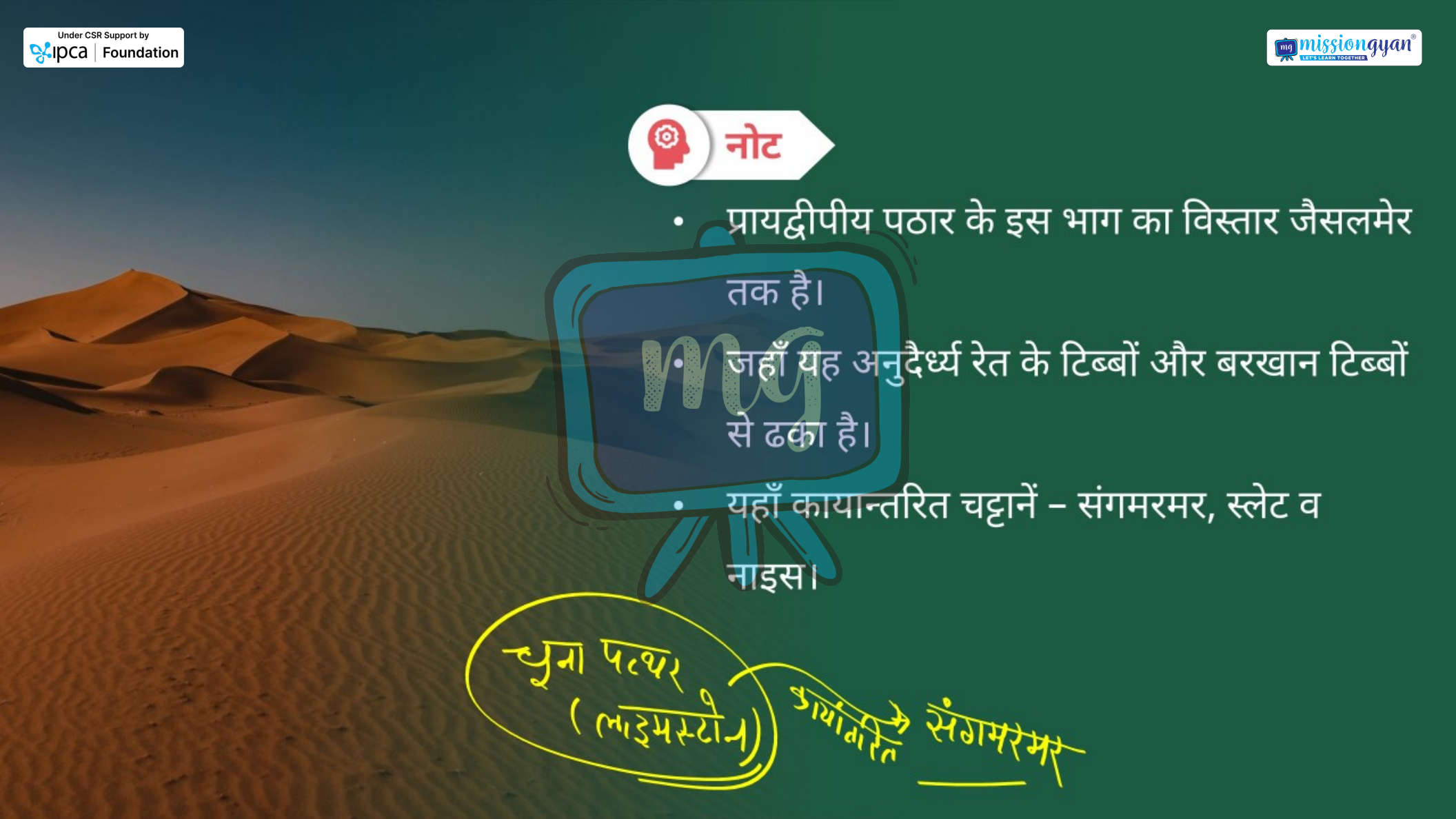

नोट

- प्रायद्वीपीय पठार के इस भाग का विस्तार जैसलमेर तक है।
- जहाँ यह अनुदैर्ध्य रेत के टिब्बों और बरखान टिब्बों से ढका है।
- यहाँ कायान्तरित चट्टानें – संगमरमर, स्लेट व नाइस।

चूना पत्थर (लाइमस्टोन) कायांतरित से संगमरमर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्य उच्च भू-भाग की विशेषताएँ

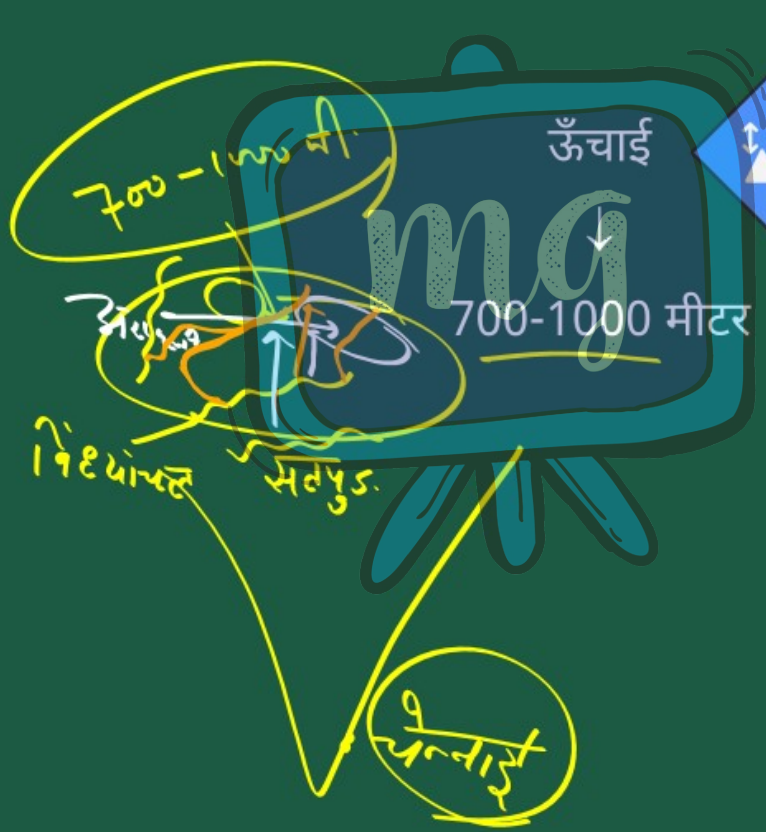

उत्तर व
उत्तर-पूर्व-दिशा में
ऊँचाई कम।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नदियाँ

- यमुना की अधिकतर सहायक नदियाँ विंध्याचल व कैमूर श्रेणियों से उद्गमित।
- बनास
  - चम्बल की मुख्य सहायक नदी
  - उद्गम – अरावली से



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

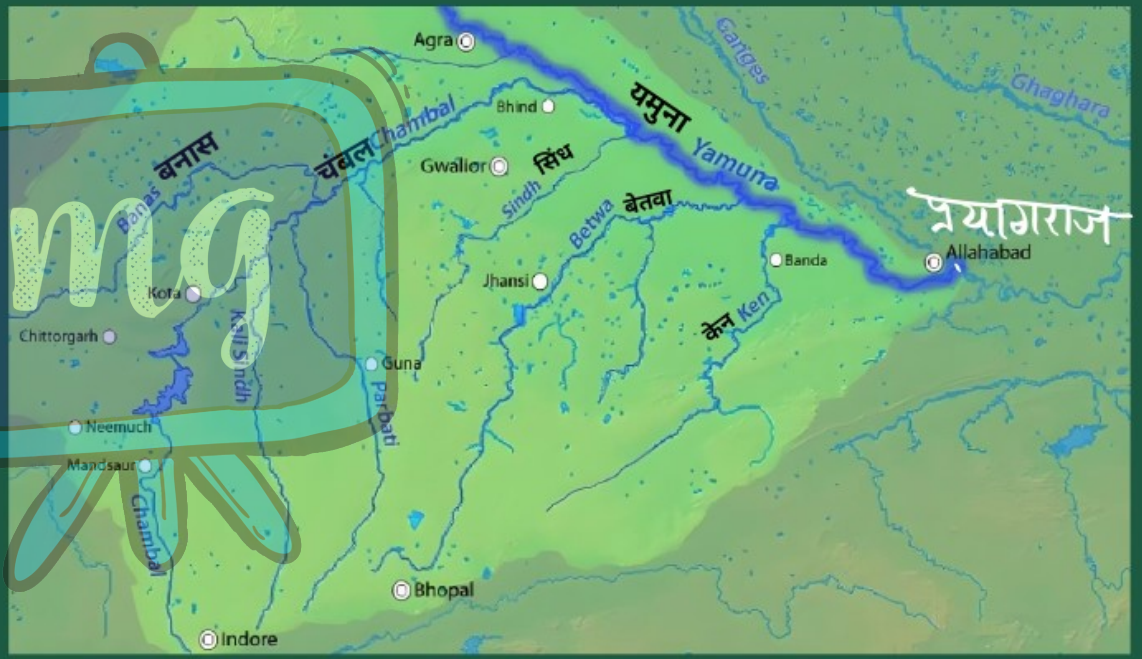

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजमहल की पहाड़ियाँ

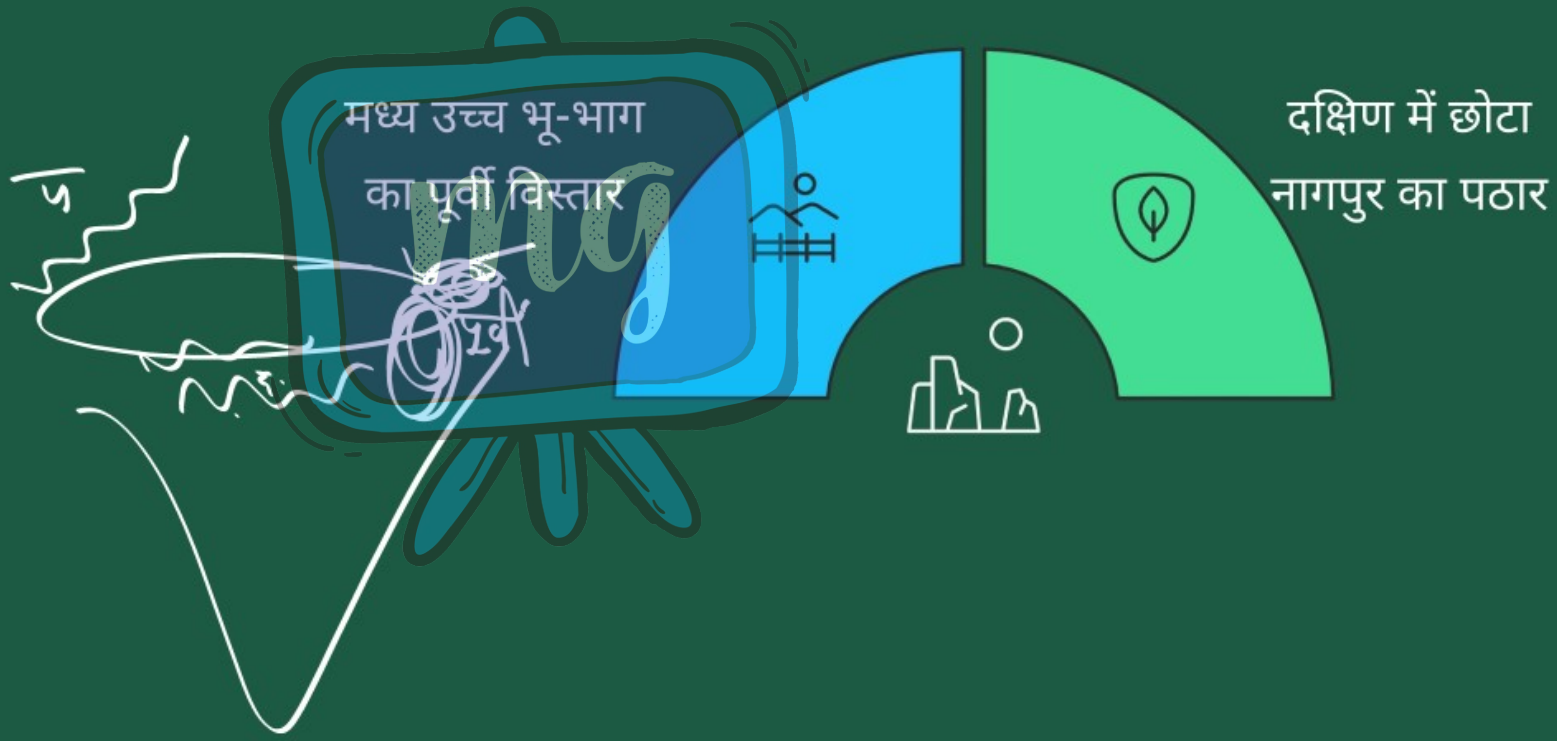

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



उत्तरी-पूर्वी पठार

- प्रायद्वीपीय पठार का विस्तारित भाग
- हिमालय उत्पत्ति के समय प्रायद्वीप से भ्रंश घाटी द्वारा अलग
- उत्तरी-पूर्वी पठार
  - i. मेघालय का पठार (शिलॉंग पठार)
  - ii. कार्बी ऐंगलोंग पठार
    - असम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मेघालय का पठार



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- **वर्षा** – दक्षिण-पश्चिमी मानसून से
- यह अति अपरदित भूतल
- चेरापूँजी
  - नग्न चट्टानों से ढका स्थल
  - वनस्पति लगभग नहीं के बराबर



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan

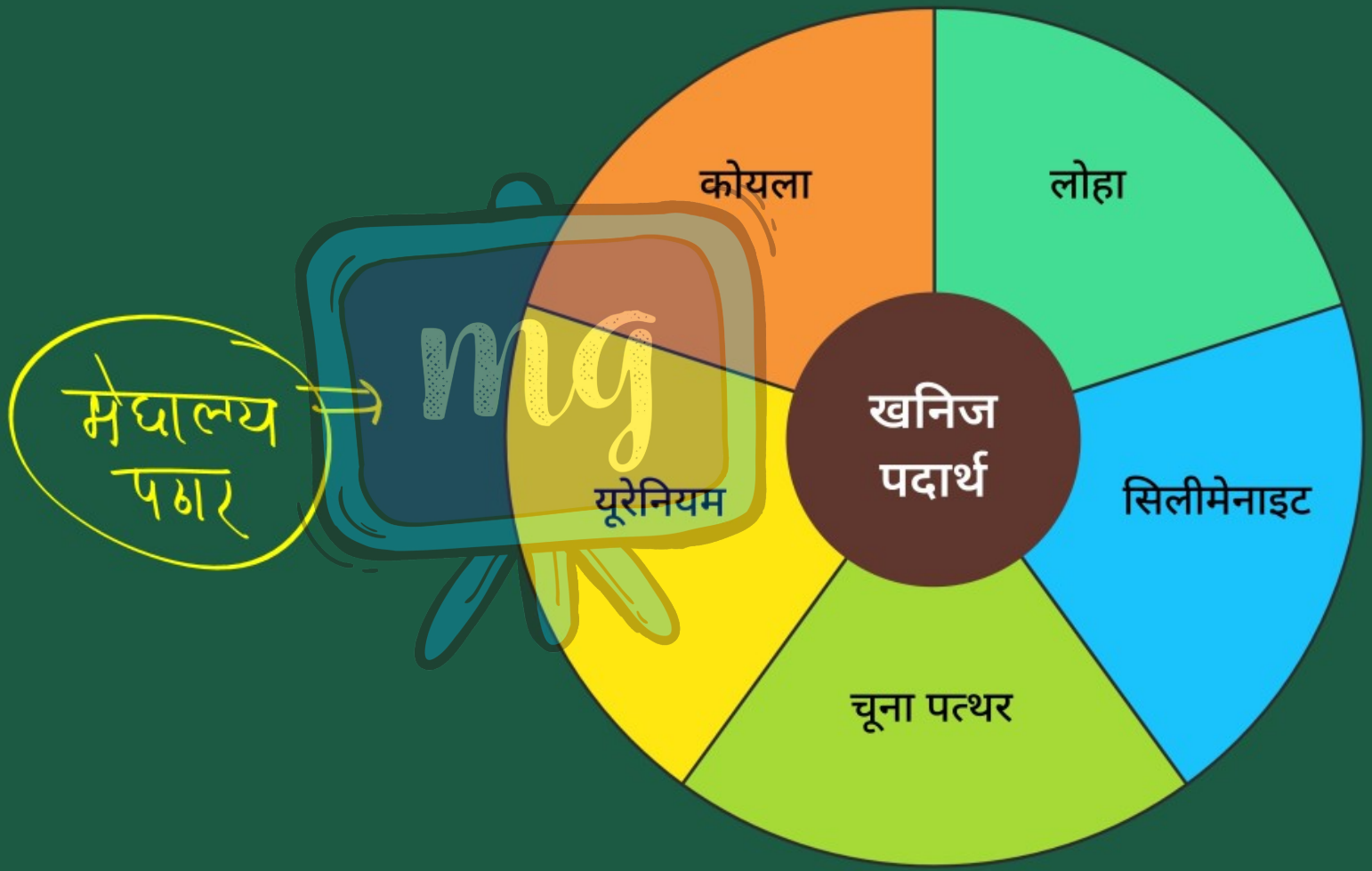

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कार्बी ऐंगलोंग पठार

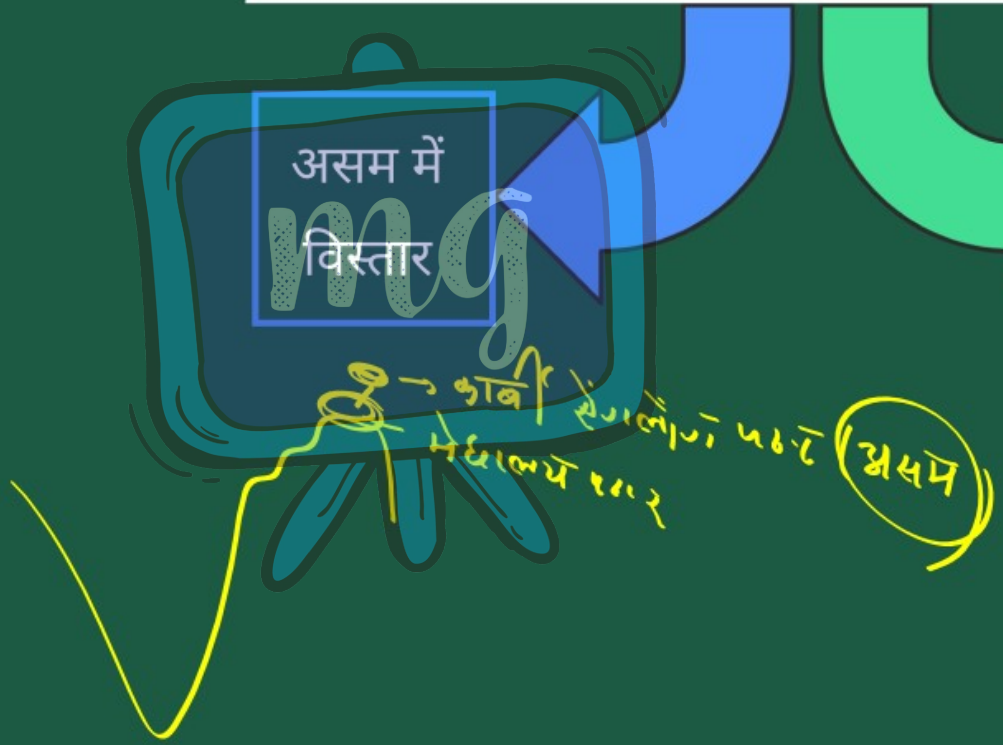

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

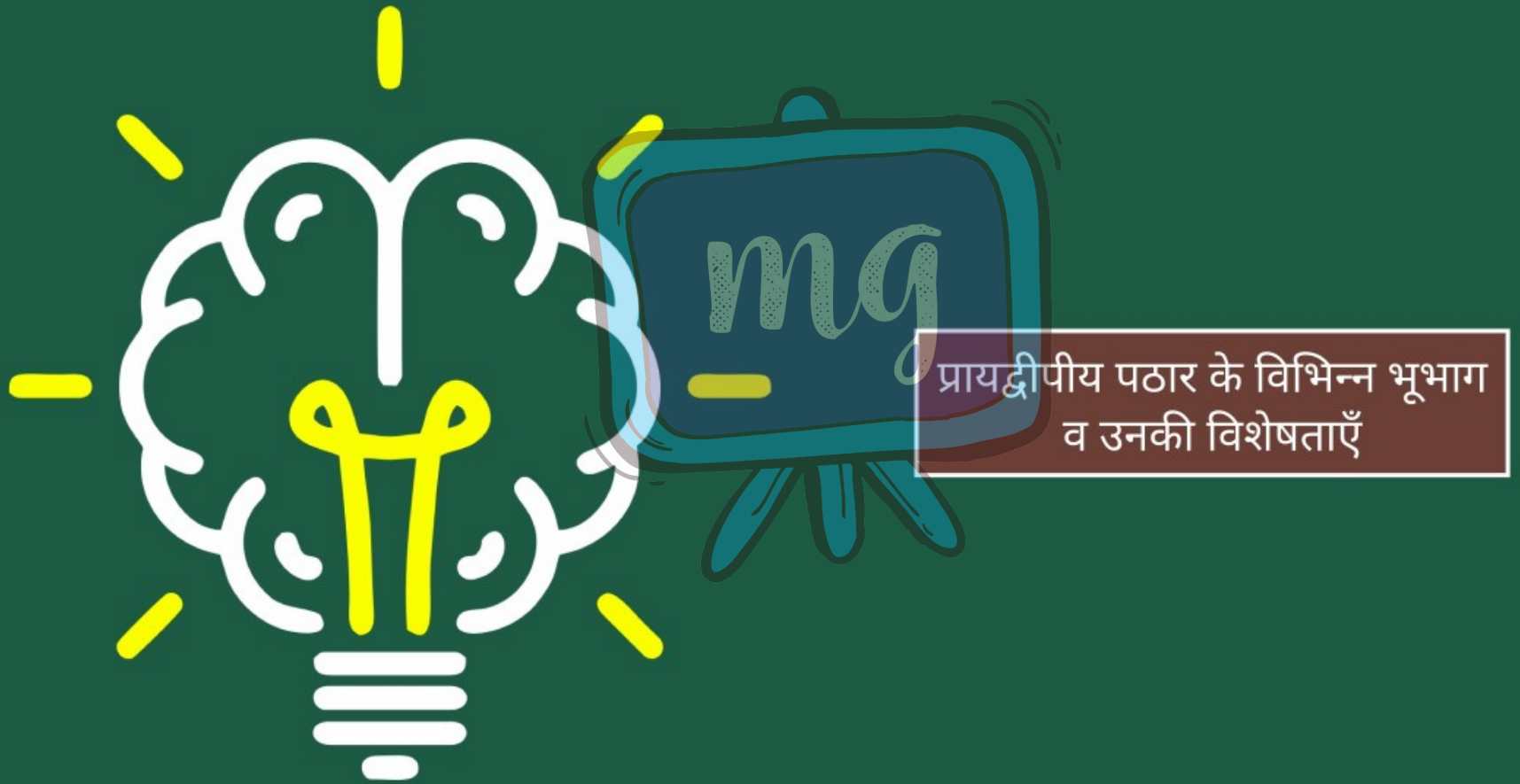

प्रायद्वीपीय पठार के विभिन्न भूभाग
व उनकी विशेषताएँ

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 प्रायद्वीपीय पठार की सर्वोच्च पर्वत चोटी है–

- अ गुरुशिखर → राजस्थान → सर्वोच्च
- ब अनाईमुडी ⇒ अनामलाई पहाड़ियों में → 2695 मीटर
- स डोडाबेट → II सर्वोच्च (प्रायद्वीप) → नीलगिरी
- द महेन्द्रगिरी

अनाईमुडी

पूर्वी घाट

2 निम्न में से कौनसी श्रेणी पूर्वी घाट की नहीं है?

अ जावादी

ब नल्लामाला

स अनामलाई

द महेन्द्रगिरी

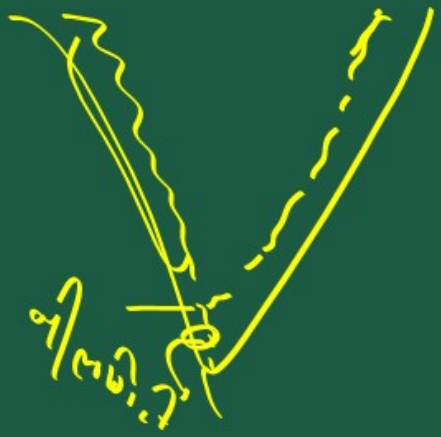



3 | मेघालय के पठार की पहाड़ियाँ हैं–

अ गारो

ब खासी

स जयन्तियाँ

द उपर्युक्त सभी

